

प्रकरण संख्या- 87/2016

अन्तर्गत धारा:-

बनाम.....

हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्य जज

31/125

धवावली पेश इसी वकील वाणी अनुपरिव्यत है। वाणी स्वयं भी अनुपरिव्यत है। इनकी भोर से कोई अम्म वकील भी उपरिव्यत नहीं है। बारम्बार आवाजे लगावारी गरी। परन्तु न्यायालय, सममतक छोड़ी भी उपरिव्यत नहीं है। अतः राजस्व वाप धव अम्म हाजरी अम्म पेशी में खारीज किया जाता है। धवावली फंसल रुमार है। नम्बरसे कम दोहर हाजिल हैफतर है।

उपखण्डे अधिकारः
भिनाय (अजमेर)